संक्षिप्त

सामर अध्यक्ष निर्वाचित

उदयपुर । उदयपुर मार्बल एसोसिएशन की कार्यकारिणी वर्ष 2025-27 के चुनाव सम्पन्न हुए। चुनाव अधिकारी बीआर भाटी ने बताया कि अध्यक्ष पद पर डॉ. गजेन्द्र सिंह सामर, उपाध्यक्ष पद पर पिंटु प्रजापत एवं कोषाध्यक्ष पद पर अरूण जैन के साथ ही 8 कार्यकारिणी सदस्य निर्विरोध निर्वाचित हुए। सचिव व सह सचिव पद पर चुनाव हुए जिसमें सचिव पद पर रौनक कोङ्गारी 7 मत से एवं सह सचिव पद पर करण जैन 54 मतों से विजयी रहे। एसोसिएशन के 360 सदस्यों ने मतदान किया। अध्यक्ष डॉ. गजेन्द्र सिंह सामर ने बताया कि कार्यकारिणी में भगवती लाल जैन, जीवन सिंह देवड़ा, महेश गुप्ता, मोहम्मद इलियास, नितेश कुमार जैन, प्रतीक जैन, सुनील अग्रवाल व वीरेन्द्र चौधरी निर्विरोध निर्वाचित हुए। चुनाव सह संयोजक बाबु भाई चोरडिया, महिपाल सिंह रूपपुरा, नितुल चंडालिया, श्याम नागौरी एवं पंकज गंगावत की मौजूदगी में सम्पन्न हुए।

विभिन प्रकल्पों के संयोजक नियुक्त

डूंगरपुर। राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय के जिलाध्यक्ष शंकरलाल कटारा व जिला मंत्री सुदर्शनसिंह बनकोडा ने बताया कि प्रदेश उपाध्यक्ष डा.ऋषिन चौबीसा, मंडल उपाध्यक्ष देवीलाल पाटीदार, विभाग संगठन मंत्री प्रवीण कुमार जैन की अनुशंसा पर विभिन्न प्रकल्पों के संयोजक सहसंयोजक नियुक्त किए हैं। प्रकल्प मीडिया प्रबंधन में राजेंद्र सिंह चौहान संयोजक व नरेश पाटीदार एंव हितेश उपाध्याय सहसंयोजक सेवानिवृत्त शिक्षक में जीवनलाल दायमा संयोजक व बालूसिंह चौहान सहसंयोजक,प्रकल्प हमारा विद्यालय-हमारा तीर्थ के लिए देवानंद उपाध्यक्ष संयोजक व मुकेश कोठारी एंव लक्ष्मणलाल खराडी सह संयोजक, प्रकल्प राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के लिए लालसिंह अहाडा संयोजक व दिनेश जैन व नवनीत भट्ट को सह संयोजक नियुक्त किया। उक्त सभी राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय के लिए अपने-अपने प्रकल्प के बारे में डूंगरपुर जिले में शिक्षा, शिक्षक व शिक्षार्थी हित में मार्गदर्शन कर संगठन की गतिविधि को सभी 10 उपशाखाओ में उच्च आयाम तक पहुंचाने का काम करेंगे। जिला कार्यकारिणी के बलवंत बामणिया, दिलीपसिंह चौहान, राजेश पाटीदार,नानूराम कटारा,रामलाल कटारा, भारत सिंह राणावत, राजेंद्र सिंह चौहान,शंकर बुनकर, दिनेश मीणा, राजेंद्र मीणा, पोपटलाल कटारा, मनोहर सिंह रेलडा, गोविंद कुंवर,संध्या गर्ग, दक्षा कलाल, करणसिंह चौहान, विनीत श्रीमाली सुखराम लबाना, प्रकाश व्यास, दिनेश चंद्र रेबारी, कमलेश भगोरा, हर्षवर्धनसिंह, भवानीशंकर ब्राह्मण, हर्षद ठाकर,निर्मल परमार आदि पदाधिकारी ने हर्ष व्यक्त किया है।

'अरावली कोई जमीन का टुकडा नहीं, देश का प्राकृतिक कवच है'

- राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी के नाम को खत्म करने की कोशिश मोदी सरकार की कुंठित सोच : रघुवीर सिंह मीणा
- उदयपुर शहर एवं देहात कांग्रेस ने निकाली जन-जागरण रैली

उदयपुर । देश के करोडों लोगों की जीवन रेखा कही जाने वाली अरावली पर्वतमाला के संरक्षण एवं केंद्र की अहंकारी मोदी सरकार द्वारा मनरेगा को कमजोर करने के कुप्रयास को लेकर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार शनिवार को उदयपुर शहर एवं देहात जिला कांग्रेस कमेटी ने संयुक्त रूप से जन-जागरण अभियान के तहत रैली निकाली।

उदयपुर देहात जिला कांग्रेस प्रवक्ता डॉ संजीव राजपुरोहित ने बताया कि प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार दिनांक 27 से 31 दिसंबर तक जिला मुख्यालय से बूथ स्तर तक चलने वाले जन-जागरण अभियान के तहत आज उदयपुर शहर एवं देहात जिला कांग्रेस कमेटी ने संयुक्त रूप से जन-जागरण रैली निकाली। रैली प्रातः 11.30 बजे नगर निगम, टाउन हॉल स्थित शहीद स्मारक से रवाना होकर सूरजपोल, अश्विनी बाजार होते हुए चेतक स्थित मोहता पार्क तक निकाली गई। रैली में सैकडों की संख्या में उदयपुर शहर एवं देहात कांग्रेस के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मोहता पार्क पर रैली में उदयपुर देहात जिला कांग्रेस अध्यक्ष रघुवीर सिंह मीणा ने कहा कि अरावली पर लगातार हो रहे हमले भाजपा की नीति, नीयत और शासन की सच्चाई को बेनकाब कर रहे हैं। भाजपा सरकार में प्रदेश में माफियाओं का राज चल रहा है। प्रदेश की कानून व्यवस्था एवं राज प्रणाली पूरी तरह से ड्ढ्रप्प हो गई है। आए दिन अरावली में जारी अवैध खनन की खबरें सरकारी संरक्षण को बयां कर रही है। राजस्थान की अरावली आज सिर्फ अवैध खनन का शिकार नहीं है, बल्कि भाजपा सरकार की संरक्षणहीन नीतियों की शिकार बनती जा रही है। ऐसे में करोडों लोगों की जीवन रेखा अरावली पर्वतमाला के संरक्षण के लिए हम सभी को आगे आना पडेगा। और केंद्र एवं राज्य सरकार पर जन-जागरण के माध्यम से दबाव बनाना पडेगा कि वो माननीय सुप्रीम कोर्ट में अरावली पर्वतमाला के संरक्षण के लिए पैरवी कर इस आदेश को पुनर्विचार के लिए मजबूती से देशवासियों की बात के साथ आगे रखे। अरावली कोई जमीन का टुकडा नहीं, देश का प्राकृतिक कवच है। जो सरकार इसे मुनाफे की नजर से देख रही है, वह आने वाली पीढियों का भविष्य बेच रही है। अरावली पर हमला दरअसल जनता के जीवन पर हमला है।

मीणा ने मनरेगा को सुनियोजित तरीके से खत्म करने के कुप्रयास पर कहा कि मनरेगा के कानून को कमजोर करना उन करोडों मजदूरों के भविष्य के साथ खिलवाड है जिनके पास आय का कोई और जरिया नहीं है। यह बदलाव देश के विकास के लिए एक बडी बाधा साबित होगा। मनरेगा के माध्यम से राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के नाम को खत्म करने की कोशिश मोदी सरकार की कुंङ्कित सोच है। मोदी सरकार ने सुधार के नाम पर लोकसभा में एक बिल पास करके दुनिया की सबसे बडी रोजगार गारंटी स्कीम मनरेगा को खत्म कर दिया है, यह महात्मा गांधी की सोच को खत्म करने और सबसे गरीब भारतीयों से काम का अधिकार छिनने की जान बूछकर की गई कोशिश है। मनरेगा का नाम बदल कर योजना को कमजोर करने का केंद्र सरकार का यह कदम महात्मा गांधी के आदर्शों का सीधा अपमान है और ग्रामीण रोजगार पर खुली जंग का ऐलान है। रिकॉर्ड बेरोजगारी से भारत के युवाओं को तबाह करने के बाद मोदी सरकार अब गरीब परिवारों की बची हुई आज आखिरी आर्थिक सुरक्षा को निशाना बना रही है। हम सडक से लेकर संसद तक हर मंच पर इसका विरोध करेंगे।

उदयपुर शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष फतह सिंह राङ्गौड ने कहा कि अरावली पर्वतमाला की पवित्र चोटियाँ केवल पहाड नहीं हैं। ये हमारी सभ्यता की जडें, हमारी आस्था की ऊँचाइयाँ और आने वाली पीढियों के जीवन की सबसे मजबूत ढाल हैं। यह वही अरावली है जिसने रेगिस्तान को रोककर जीवन को बचाया, जलस्त्रोतों को संरक्षित किया और प्रकृति के संतुलन को सदियों तक संभाले रखा। यह संघर्ष किसी एक दिन का नहीं, किसी एक यात्रा का नहीं, और न ही किसी एक व्यक्ति या संगङ्गन का है। यह सत्ता के अहंकार और अन्याय के खिलाफ जनता की सामूहिक चेतना का उदय है, एक ऐसी चेतना जो अब दबाई नहीं जा सकती। इतिहास साक्षी है जब-जब सत्ता ने प्रकृति को मुनाफे का साधन समझा, जब-जब पहाडों को खोदने और जंगलों को बेचने का दुस्साहस किया, तब-तब जनता ने सडकों पर उतरकर उस अन्याय को खुली चुनौती दी है। यह संघर्ष तब तक जारी रहेगा जब तक अरावली की एक-एक चोटी सुरक्षित नहीं हो जाती। जन-जागरण रैली में उदयपुर देहात जिला कांग्रेस अध्यक्ष रघुवीर सिंह मीणा, उदयपुर शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष फतह सिंह राङ्गौड, पूर्व विधायक त्रिलोक पूर्बिया, पूर्व विधायक प्रीति शक्तावत, पीसीसी उपाध्यक्ष सुरेश श्रीमाली, पीसीसी महासचिव लाल सिंह झाला, पंकज कुमार शर्मा, गोपाल शर्मा, पूर्व मंत्री डॉ मांगी लाल गरासिया, पूर्व मंत्री जगदीश राज श्रीमाली, पीसीसी सचिव दिनेश श्रीमाली, विधायक प्रत्याशी विवेक कटारा, पूर्व विधायक सज्जन कटारा, पीसीसी सदस्य राम लाल गायरी, प्रो. दरियाव सिंह चुंडावत, गोपाल सिंह चौहान, दलपत सिंह चुंडावत, मो. अय्यूब, गजेंद्र कोङ्गारी, पूर्व उप जिला प्रमुख लक्ष्मी नारायण पंड्या आदि मौजूद रहे।

रोटी बैंक में निःशुल्क भोजन वितरण

डूंगरपुर। महावीर इंटरनेशनल के संस्थापक सदस्य एवं संरक्षक वीर कुरीचंद जैन की 24 वीं पुण्य तिथि के अवसर पर एक दिवसीय अस्थि एवं जोड प्रत्यारोपण ओपीडी शिविर का आयोजन संस्था के रोग निदान केंद्र पर किया गया,जिसमें जीबीएच जनरल एंड कैंसर हॉस्पीटल उदयपुर के हड्डी एवं जोड रोग विशेषज्ञ डॉ. सौरभ अग्रवाल ने अपनी सेवाएं प्रदान की। संस्था के उपाध्यक्ष रविंद्र जैन ने बताया कि शनिवार को आयोजित शिविर में हड्डी एवं जोड रोग ओपीडी में कुल 14 रोगी लाभान्वित हुए जिनमें से पांच रोगियों की घुटना प्रत्यारोपण के उपरांत फॉलोअप जांच की गई। अन्य रोगियों को आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श प्रदान किया गया। इस अवसर पर रोटी बैंक के माध्यम से सामान्य चिकित्सालय में भर्ती मरीजों के सौ से अधिक तीमारदारों को संस्था किऔर से निःशुल्क भोजन वितरण किया गया।

'भारत नाम के प्रयोग की पहल पर गोविंद गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय सम्मान'

- कुलगुरु प्रो. केशव सिंह ङ्घाकुर सम्मानित, राजस्थान से एकमात्र विश्वविद्यालय का चयन

बांसवाड़ा । गोविंद गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय, बांसवाडा को शिक्षा, संस्कृति एवं राष्ट्रीय चेतना के क्षेत्र में की गई एक महत्वपूर्ण पहल के लिए राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया है। विश्वविद्यालय द्वारा अपने शैक्षणिक, प्रशासनिक एवं आधिकारिक कार्यों में देश के प्राचीन एवं गौरवशाली नाम भारत के प्रयोग को प्राथमिकता देने के निर्णय को सराहते हुए यह सम्मान प्रदान किया गया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. केशव सिंह ङ्घाकुर को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। यह राष्ट्रीय सम्मान शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास द्वारा आयोजित गरिमामय समारोह में प्रदान किया गया। उल्लेखनीय है कि भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र दामोदरदास मोदी जी द्वारा जी-20 सम्मेलन के दौरान अंग्रेजी भाषा में भी 'भारत' नाम के प्रयोग के माध्यम से सभी भाषाओं में देश का नाम 'भारत' उपयोग करने का जो संदेश दिया गया, उसी भावना के अनुरूप गोविंद गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय ने यह निर्णय लिया। विश्वविद्यालय द्वारा सभी भाषाओं में अपने गौरवमय राष्ट्र का नाम केवल 'भारत' प्रयोग में लाने की पहल को राष्ट हित में स्तुत्य कदम माना गया है। यह पहल निश्चय ही देश के प्राचीन सांस्कृतिक गौरव को और अधिक सुदृढ करने वाली है।

सम्मान समारोह 27 दिसंबर 2025 को वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय, सूरत के कन्वेंशन हॉल में आयोजित किया गया। समारोह में गुजरात राज्य के उच्च शिक्षा मंत्री ,वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. किशोरसिंह एन. चावडा, सरदार वल्लभभाई राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सूरत के निदेशक प्रो. (डॉ.) अनुपम शुक्ला तथा शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के राष्ट्रीय सचिव प्रो. अतुलभाई कोङ्गारी गरिमामय अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। देशभर से आए शिक्षाविदों, कुलगुरुओं, प्राध्यापकों एवं गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में यह समारोह रूप से सम्पन्न हुआ।

विशेष रूप से उल्लेखनीय है कि इस राष्ट्रीय सम्मान के लिए राजस्थान राज्य से केवल गोविंद गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय का ही चयन किया गया, जिससे यह राज्य का एकमात्र सम्मानित विश्वविद्यालय बना।

सम्मान ग्रहण करते हुए कुलगुरु प्रो. केशव सिंह ङ्घाकुर ने कहा कि 'भारत' केवल एक नाम नहीं, बल्कि हमारी सभ्यता, संस्कृति और आत्मगौरव का प्रतीक है। विश्वविद्यालय द्वारा लिया गया यह निर्णय राष्ट्रीय चेतना को सुदृढ करने की दिशा में एक सार्थक प्रयास है, जिससे युवाओं में देश के प्रति गर्व की भावना और अधिक प्रबल होगी। कुलगुरु को यह राष्ट्रीय सम्मान प्राप्त होने पर गोविंद गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय के अधिकारियों, कर्मचारियों तथा विश्वविद्यालय से संबद्ध समस्त महाविद्यालयों में हर्ष और गौरव का वातावरण व्याप्त है।

देश में स्वदेशी की भावना को आगे बढ़ाने में महिला वर्ग की महत्वपूर्ण भूमिका: राजस्व मंत्री

चित्तौड़गढ़ । सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के केन्द्रीय संचार ब्यूरो, क्षेत्रीय कार्यालय, उदयपुर द्वारा चित्तौड़गढ़ में आयोजित राष्ट्रीय स्वदेशी महोत्सव मेले में वंदे मातरम की पुकार श्रमिक सुरक्षा का विस्तार विषय पर लगाई गई पाँच दिवसीय मल्टीमीडिया प्रदर्शनी का शनिवार को समापन हुआ। प्रदर्शनी का उद्देश्य केंद्र सरकार की जन-कल्याणकारी एवं श्रमिक सुरक्षा संबंधी योजनाओं की जानकारी को आमजन तक व्यापक रूप से पहुँचाना रहा।

समापन समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि राजस्थान सरकार के राजस्व मंत्री हेमंत मीणा ने कहा कि देश के विकास में सभी वर्गों का सहयोग आवश्यक है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए केंद्र व राज्य सरकार जनहित में निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि केन्द्रीय संचार ब्यूरो द्वारा आयोजित इस प्रदर्शनी में माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा देश को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए महिलाओं के लिए, युवाओं के लिए तथा किसानों के विकास के लिए क्या क्या प्रयास किए जा रहे है, उनके इस विजन को प्रदर्शनी में बखूबी चित्रित किया गया है। उन्होंने कहा कि भारत को विश्वगुरु बनाने के लिए सभी को स्वदेशी की भावना को अपनाना बहुत जरूरी है। देश को स्वदेशी को बढ़ावा देने में महिला वर्ग महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। इस अवसर पर चित्तौड़गढ़ सांसद सी. पी. जोशी ने कहा कि केंद्र सरकार देश के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

पालीवाल ब्राह्मण समाज की प्रतियोगिता सम्पन्न

उदयपुर। रेलवे क्रिकेट ग्राउंड पर पालीवाल ब्राह्मण समाज के नवयुवक मंडल की ओर से आयोजित 37वीं खेलकूद प्रतियोगिता का समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह हुआ। नवयुवक मंडल के अध्यक्ष संजय पालीवाल ने बताया कि क्रिकेट प्रतियोगिता में टॉवर्स ग्रुप व जेलियन ग्रुप के मध्य रोमांचक फाइनल मैच खेला गया जिसमें जेलियन ग्रुप मैच जीत वर्ष 2025 का चैंपियन बना। मुख्य अतिथि उदयपुर की आरएएस अधिकारी लतिका पालीवाल, विशिष्ट अतिथि सुप्रीम कोर्ट के सीनियर एडवोकेट भारत सरकार के विधि सलाहकार व राम मंदिर केस, सबरीमाला मंदिर केस के एडवोकेट वरुणपालीवाल, भारतीय वायु सेवा के ग्रुप कैप्टन ऑपरेशन सिंदूर टीम के सदस्य विवेक पालीवाल, श्रीमती विजयलक्ष्मी पालीवाल, समाज के अध्यक्ष यशवंत पालीवाल, समाज के महामंत्री एडवोकेट सुरेंद्र पालीवाल, समाज के उपाध्यक्ष सत्यनारायण पालीवाल, जिला क्रिकेट संघ के उपाध्यक्ष मौजूद थे।

सार-समाचार

शिक्षक संघ की बैठक सम्पन्न

डूंगरपुर/जयपुर। राजस्थान शिक्षक संघ (शेखावत) की प्रदेश स्थाई समिति और संघर्ष समिति की वर्चुअल बैठक प्रदेशाध्यक्ष महावीर सिहाग की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में शिक्षकों के ज्वलंत मुद्दों और आगामी आन्दोलन के कार्यक्रमों को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। प्रदेश महामंत्री उपेन्द्र शर्मा ने बैठक के निर्णयों की जानकारी देते हुए बताया कि स्कूल टीचर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के निर्देशानुसार, आगामी 3 जनवरी को सावित्रीबाई फुले जयंती को राष्ट्रीय महिला शिक्षक दिवस के रूप में गौरव के साथ मनाया जाएगा। इसकी पूर्व संध्या पर 2 जनवरी को राज्य स्तरीय वर्चुअल सेमिनार होगीए जबकि 3 जनवरी को जिला स्तर पर संगोष्ठियों का आयोजन किया जाएगा। इन कार्यऋमों की कमान मुख्य रूप से महिला शिक्षकों के हाथों में रहेगी और इसी दिन इस दिवस को आधिकारिक रूप से घोषित करने की मांग को लेकर ज्ञापन दिया जाएगा। बैठक में 2010० से पूर्व नियुक्त शिक्षकों की अनिवार्यता थोपने के मुद्दे पर चर्चा हुई। निर्णय लिया कि इसके विरोध में 5 जनवरी को प्रदेश के प्रत्येक जिले में प्रेस सम्मेलन आयोजित कर जिला कलेक्टर के माध्यम से सरकार को ज्ञापन दिया जाएगा। बैठक में अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ के आ ान पर 12 जनवरी, 2026 को जयपुर में आयोजित होने वाली विशाल महारैली को सफल बनाने पर चर्चा हुई।बैठक में निर्णय लिया गया कि प्रत्येक जिले से अधिकतम संख्या में शिक्षक इस रैली में शामिल होंगे। सभी जिलों को रैली में शामिल होने के लिए न्यूनतम लक्ष्य आवंटित किया गया। रैली की तैयारियों के लिए 5 जनवरी को सभी जिलों में बैठकों का आयोजन किया जाएगा। बैठक में सदस्यता अभियान पर चर्चा हुई, निर्णय लिया कि संगठन के सदस्यता अभियान को जनवरी माह तक पूर्ण किया जाये। बैठक में प्रदेश सभाध्यक्ष याकूब खान, महामंत्री उपेन्द्र शर्मा, कोषाध्यक्ष राधेश्याम यादव, उपाध्यक्ष गण हेमन्त खराडी, भंवर कस्वां, अशोक लोदवालए सुनिता सिहागए पवन छिम्पा, प्रदेश मंत्री संजय पुरोहित व अंजु दुलड और संघर्ष समिति संयोजक पोखर मल सहित प्रमुख पदाधिकारी उपस्थित रहे।

गौ सम्मान आव्हान अभियान कार्यक्रम

डूंगरपुर। स्थानीय लक्ष्मण मैदान में समग्र माली समाज की खेल प्रतियोगिता के मध्य माली समाज के नानूराम माली, लक्ष्मीकांत माली और उपस्थित मातृ शक्ति और समाज जनों के साथ गौ सम्मान आव्हान अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया। समाज जनों को संबंधित करते हुए सुभाष रोट ने उपस्थित जन समुदाय से गौ-सम्मान आव्हान अभियान कार्यक्रम से जुडने और गौ-माता को राष्ट्र माता घोषित करने के संकल्प दिलवाया। इसीऋम में बिछीवाडा गांव स्थित आशापुरा धाम पर महंत महेंद्रसिंहओर ग्राम के निवासियों के साथ गौ सम्मान आव्हान अभियान कार्यऋम की बैठक जिलाध्यक्ष मांगीलाल कुम्हार के सानिध्य में आयोजित की गई। बैठक का संचालन करते हुए गंगा प्रसाद ने 27 अप्रैल को राष्ट्रीय स्तर पर दिए जाने वाले ज्ञापन में अधिक से अधिक संख्या में बिछीवाडा की तरफ से उपस्थित होने का संकल्प करवाया। इस अवसर पर प्रवीण श्रीमाल, जीवन धर जैन, धनेश्वर लबाना, भूरालाल, गणेश कलाल, अरविंद नायक, संतोष, सरोज, सहित कई गणमान्य लोगों की उपस्थित रहें।

गोलोक रथ प्रकल्प की योजना बनाई

डूंगरपुर। भारत विकास परिषद तिलक शाखा द्वारा वर्ष पर्यंत किए गए वार्षिक कार्यों की अध्यक्ष मुकेश श्रीमाल की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक का आयोजन शाखा सदस्य अनिल पारिख के निवास पर सम्पन्न हुआ। समीक्षा बैठक का शाखा सचिव चिराग व्यास ने संचालन करते हुए विशिष्ट अतिथि ईश्वरलाल पारीक,कमला पारीक एवं उपस्थित समस्त सदस्यों का उपरने से अभिनंदन किया। बैठक में शाखा सदस्य अनिल पारिख के साठ वे जन्मदिवस को भारतीय संस्कृति के अनुरूप दीप प्रज्वलन कर मनाया। शाखा अध्यक्ष मुकेश श्रीमाल ने वर्ष पर्यंत किए गए समस्त सामाजिक, धर्मिक और भाविप के समस्त प्रकल्पों के कार्यों की विश्वृत जानकारी देते हुए सहयोगी समस्त सदस्यों को सफल आयोजन पर बधाई और आभार जताया। श्रीमाल ने शाखा के मोक्ष वाहिनी स्थाई प्रकल्प में संचालित गोलोक रथ की जानकारी देते हुए बताया कि गोलोक रथ का संचालन किया जा रहा हैं, जिसके तहत एक शव को मोक्षधाम तक ले जाने का 7०० रुपया शुल्क लिया जाता है यदि कोई गरीब या लावारिस शव होता हे उसे निःशुल्क मोक्ष धाम ले जाया जाता हैं साथ शाखा द्वारा गरीब और लावारिस शव का निःशुल्क दाह संस्कार भी किया जाता हैं। शव के दाह संस्कार के लिए लागत दाम पर लकडी, कंडे और घास की व्यवस्था गोलोक रथ चालक द्वारा व्यवस्था की जाती है। शाखा के समस्त सदस्यों ने भामाशाह रमेश वर्यानी के मोक्ष धाम के जीर्णोद्धार में सहयोग करने पर उपरने से अभिन्नदन किया। समीक्षा बैठक में शाखा के संरक्षक हीरालाल पटेलए सचिव चिराग व्यास, कोषाध्यक्ष शिवराम मोची, वरिष्ठ उपाध्यक्ष रमेश वर्यानी, हर्षल पारीक, स्वप्निल पारीक,मानस द्विवेदी, चंद्रेश शर्मा, धनराज कटारा उपस्थित हुए।

स्नेह के भाव मजबूत बनाए : कनेरिया

उदयपुर । हर युवा मन, वचन व कर्म से बुजुर्गों, बेसहारा लोगों के प्रति संवेदना व सम्मान जैसे गुणों को अंगीकार करें। यह भारतीय कुटुंब व्यवस्था का एक महत्वपूर्ण मूल्य है। युवा वर्ग अपनी दृष्टि एवं वृत्ति को सेवा व स्नेह से परिपूर्ण बनाए। यह विचार अपना संस्थान के अध्यक्ष गोपाल कनेरिया ने शनिवार को विद्या भवन एन एस एस शिविरार्थियों के विशेष कैंप में व्यक्त किए। राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी जय शर्मा ने बताया कि शिविरार्थियों ने अपना आश्रम की कार्य प्रणाली को समझा।

राष्ट्रीय प्राकृत भाषा अध्ययन कार्यशाला का भव्य एवं प्रेरणादायी उद्घाटन

- जन-जन तक पहुंचे प्राकृत भाषा का ज्ञान ओर रहस्य

डूंगरपुर-नैनागिरि। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार तथा प्राकृत भाषा विकास फाउण्डेशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 21 दिवसीय राष्ट्रीय प्राकृत भाषा अध्ययन कार्यशाला का उद्घाटन गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। यह सत्र केवल एक औपचारिक उद्घाटन नहीं,बल्कि प्राकृत भाषा के पुनर्जागरण का सशक्त उद्घोष सिद्ध हुआ।

प्रातः 10 बजे प्रारम्भ हुए इस कार्यऋम में देश के विभिन्न प्रान्तों से आए विद्वान, शोधार्थी, शिक्षक एवं प्रतिभागी उपस्थित रहे।उद्घाटन की मंगलवेला में आचार्यश्री वसुनंदीजी महाराज द्वारा विरचित प्राकृत स्तुति के सामूहिक उच्चारण से सम्पूर्ण सभागार आध्यात्मिक ऊर्जा से भर उठा। इसके पश्चात् राष्ट्रगीत एवं केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलगीत के गायन ने राष्ट्रीय चेतना और अकादमिक एकात्मता का भाव जाग्रत किया। अतिथियों द्वारा चित्रानावरण एवं दीप प्रज्वलन कर ज्ञानदृदीप प्रज्वलित किया गयाए जो प्राकृत भाषा के अध्ययन-प्रसार का प्रतीक बना।

उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि प्रो.यशवंतसिंह ठाकुर ने अपने ओजस्वी एवं विचारोत्तेजक उद्बोधन में कहां कि प्राकृत भाषा भारतीय ज्ञान परम्परा की मूल धारा है, जिसके बिना दर्शन, साहित्य और संस्कृति की सम्यक् समझ अधूरी है। उन्होंने कहा कि ऐसी कार्यशालाएँ नई पीढी को अपनी भाषायी जडों से जोडने का प्रभावी माध्यम हैं। कार्यऋम की अध्यक्षता करते हुए प्रो.ऋषभचन्द जैन फौजदार ने प्राकृत भाषा को लोक और शास्त्र के सेतु के रूप में निरूपित करते हुए कहां कि 21 दिवसीय यह कार्यशाला, अध्ययन, चिन्तन और शोध की दृष्टि से अत्यन्त महत्त्वपूर्ण सिद्ध होगी। मुख्य वक्तव्य में डी.ब्र.राकेश जैन नेप्राकृत भाषा के व्याकरणिकए दार्शनिक एवं साहित्यिक पक्षों की वैज्ञानिकता को उदाहरणों सहित स्पष्ट किया। उन्होंने कहा कि प्राकृत केवल अतीत की भाषा नहींए बल्कि वर्तमान और भविष्य की शोध-भाषा भी है। उद्घाटन सत्र में अतिथियों एवं प्रशिक्षकों का स्वागत-सम्मान तीर्थक्षेत्र कमेटी एवं प्राकृत भाषा विकास फाउण्डेशन द्वारा परम्परागत विधि से किया गया। स्वागत भाषण में डॉ. कैलाशचन्द सैनी ने कार्यशाला के उद्देश्योंए संरचना और अपेक्षित उपलब्धियों को रेखांकित किया, जबकि नैनागिरि तीर्थक्षेत्र प्रतिनिधि देवेन्द्र जैन लुहारी ने तीर्थक्षेत्र की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक गरिमा पर प्रकाश डाला।

प्राकृत भाषा विकास फाउण्डेशन का परिचय देते हुए डॉ.आशीष जैन ने फाउण्डेशन द्वारा प्राकृत भाषा के संरक्षण प्रशिक्षण और शोध हेतु किए जा रहे सतत् प्रयासों की विस्तार से जानकारी दी। कार्यशाला की विस्तृत रूपरेखा एवं अध्यापकों का परिचय डॉ. धर्मेन्द्र जैन ने प्रस्तुत किया तथा डॉ.सतेन्द्र जैन ने कार्यशाला के शैक्षिक,अकादमिक एवं व्यावहारिक महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि यह आयोजन प्रतिभागियों के लिए वैचारिक समृद्धि का अवसर बनेगा। कुलगुरु अभिभाषण में प्रो.यशवंतसिंह ठाकुर ने प्राकृत अध्ययन को वैश्विक परिप्रेक्ष्य में प्रासंगिक बताया, वहीं अध्यक्षीय भाषण में प्रो.ऋषभचन्द जैन फौजदार ने इसे भारतीय भाषायी चेतना के पुनर्संस्कार का सशक्त प्रयास बताया। परम पूज्य मुनिश्री शाश्वतसागर महाराज ने अपने आशीष वचनों में कहा द्व प्राकृत भाषा भारतीय संस्कृति की प्राण है। इस पुनर्जीवित करने के लिए यह सर्वश्रेष्ठ माध्यम है। सम्पूर्ण कार्यऋम का अनुशासितए सुस्पष्ट एवं प्रभावी संचालन डॉ.आशीष जैन आचार्य द्वारा किया गया। उद्घाटन सत्र का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ तथा राजेश जैन रागी बक्स्वाहा एवं डॉ. प्रभातकुमार दास द्वारा प्रस्तुत भावपूर्ण धन्यवाद ज्ञापन करते हुए प्राकृताचार्य श्री सुनीलसागर महाराज द्वारा विरचित प्राकृत स्तुति पूर्वक कार्यऋम को सार्थक पूर्णता प्रदान की।

कांग्रेस का अरावली बचाओ पैदल मार्च

डूंगरपुर। डूंगरपुर में कांग्रेस ने शनिवार को अरावली बचाओ,जिंदगी बचाओ, पैदल मार्च निकाला। यह मार्च नया बस स्टैंड से शुरू होकर कलेक्ट्री तक पहुंचाए जहां कार्यकर्ताओं ने सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया और आरोप लगाए। कांग्रेस जिलाध्यक्ष और डूंगरपुर विधायक गणेश घोघरा के नेतृत्व में कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता नया बस स्टैंड के सामने एकत्रित हुए। इस मार्च में पूर्व सांसद ताराचंद भगोरा, सागवाडा के पूर्व विधायक सुरेंद्र बामनिया, भरत नागदा और नरेंद्र खोडनिया सहित कई नेता व कार्यकर्ता शामिल थे। पैदल मार्च नया बस स्टैंड से रवाना होकर कॉलेज रोड, पुराना बस स्टैंड और तहसील चौराहा से होते हुए कलेक्ट्री पहुंचा। प्रदर्शनकारी हाथों में बैनर और झंडे लिए अरावली बचाओ, जिंदगी बचाओ, के नारे लगा रहे थे। कलेक्ट्री पर केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की गई। विधायक घोघरा ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट का अरावली को लेकर दिया गया फैसला पूरी तरह गलत है। उन्होंने आरोप लगाया कि कोर्ट ने बिना जमीनी स्थिति देखे ही 1०० मीटर से कम ऊंची पहाडियों को काटने के आदेश दिए हैं,जो केंद्र की भाजपा सरकार के दबाव में दिए गए हैं। घोघरा ने आगे कहा कि अरावली हमारी पहचान है। इसके नष्ट होने से जंगल और पर्यावरण दोनों खत्म हो जाएंगेए जिससे पूरा राजस्थान रेगिस्तान में बदल सकता है। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट और सरकार से इस फैसले को वापस लेने और प्रदेश में अरावली को बचाने की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सुप्रीम कोर्ट और सरकार ने अपना निर्णय वापस नहीं लियाए तो सडक पर आंदोलन को और तेज किया जाएगा। इस मौके पर गणेश घोघरा, ताराचंद भगोरा, प्रियकांत पंड्या, सुरेन्द्र बामनिया, कैलाश रोत, विनोद कटारा, मोहम्मद इकबाल सैय्यद, नरेन्द्र खोडनिया, भरत नागदा, सुरता परमार, कांता कोटेड, दशरथ कोटेड, लक्ष्मण साद, दीक्षांत पाटीदार आदि जने मौजूद रहें।

कार्यालय उदयपुर विकास प्राधिकरण, उदयपुर (राज.)

क्रमांकः उविप्रा/नियमन रिकार्ड/2025/3467 दिनांकः 22.12.2025

आम सूचना

निम्न आवेदनकर्ता द्वारा अपने भूखण्डों का वारिसान